70 लाख की अवैध शराब व बीयर से भरा कंटेनर पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

अवैध शराब व बीयर पंजाब से तस्करी कर गुजरात ले जाई जा रही थी

- कंटेनर को एस्कॉर्ट कर रही एक कार मौके से फरार होने में कामयाब हो गई
- पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली, जिसमें शराब और बीयर की 648 पेटियां बरामद हुई
- ट्रक को पीछे से खोल कर देखा तो उसमें पैकिंग गत्ते के रोल भरे हुए थे, पीछे से देखने पर शराब के कार्टून दिखाई नहीं दिए

सूरतगढ़, (निसं)। यहां सदर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने शनिवार को 648 पेटी अवैध शराब व बीयर से भरा एक कंटेनर पकड़ा है। इसके साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई शराब की कीमत करीब 70 लाख रुपए आंकी गई है।

एसपी हरीशंकर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पंजाब से गुजरात की ओर अवैध शराब से भरा कंटेनर ले जाया जा रहा है। सूचना पर सदर थाना के एएसआई इन्द्राज पूनियां व उनकी टीम ने जिला विशेष टीम के कॉन्स्टेबल पवन कुमार के साथ अनूपगढ़ रोड़ पर कंटेनर का पीछा किया। इस दौरान कंटेनर को एस्कॉर्ट कर रही एक कार मौके से फरार होने में कामयाब हो गई, जबकि पुलिस टीम ने कंटेनर को रोही 08 एसडी के पास रोककर तलाशी ली। जिसमें अवैध रूप से परिवहन की जा रही शराब और बीयर की कुल 648 पेटियां बरामद हुई। पुलिस टीम ने ट्रक सवार ड्राइवर प्रकाश कुमार (26) पुत्र मोहनलाल मेघवाल, निवासी चौहटन बाड़मेर और रुपाराम (20) पुत्र गोकलाराम भील, निवासी कापराऊ, चौहटन बाड़मेर को गिरफ्तार कर लिया।

सदर थाना के सहायक उप निरीक्षक इंद्राज पूनिया ने बताया कि ट्रक को पीछे से खोल कर देखा तो उसमें पैकिंग गत्ते के रोल भरे हुए थे, जिन्हें पहले थाने लाकर उतारा गया। पीछे से देखने पर शराब के कार्टून दिखाई नहीं दिए। केबिन की सघन जांच की तो उसमें एक अलग से ढक्कन लगाया हुआ था, जिसे खोलकर देखा तो अंदर अलग से एक और बॉक्सनुमा केबिन मिला, इसी में शराब के यह कार्टून भरे हुए थे। प्रारंभिक पड़ताल में दोनों आरोपियों ने इस शराब को पंजाब के कोटकपूरा इलाके से लोड कर गंगानगर, सूरतगढ़, अनूपगढ़ और जैसलमेर होते हुए गुजरात के अहमदाबाद की ओर ले जा जाने की जानकारी दी है। फिलहाल आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज करते हुए प्रकरण में आगे की जांच सब इंस्पेक्टर संपत धायल को सौंपी गई है।

एएसआई इंद्राज पूनिया ने बताया कि 648 पेटियों में अलग-अलग ब्रांड की व्हिस्की और बियर बरामद हुई है, जिनका बाजार मूल्य करीब 70 लाख रुपए आंका गया है। पुलिस टीम में एएसआई इन्द्राज के साथ कॉन्स्टेबल सूर्यप्रकाश, कमलेश, अजय, रणवीर, अनिल कुमार, दिनेश और जिला विशेष टीम के कॉन्स्टेबल पवन कुमार शामिल रहे। इस कार्रवाई में कॉन्स्टेबल पवन कुमार की विशेष भूमिका रही।

मादक पदार्थ एमडी के साथ एक युवक गिरफ्तार

- नोखा में आरोपी के कब्जे से 31.94 ग्राम एमडी जब्त, एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

नोखा, (निसं)। पुलिस ने एक युवक को एमडी (मेफेड्रोन) के साथ गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 31.94 ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार, नोखा थाना के सब इंस्पेक्टर तनसुखराम अपनी टीम के साथ रात क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें जोरावरपुरा क्षेत्र में एक युवक के पास मादक पदार्थ होने की सूचना मिली। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 31.94 ग्राम एमडी बरामद हुई। पूछताछ में युवक की पहचान स्वराज उर्फ शिवराज बिश्नोई के रूप में हुई है, जो नोखा के करणी माता मंदिर क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर मादक पदार्थ जब्त कर लिया। उसके खिलाफ नोखा थाने में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी यह मादक पदार्थ कहां से लाया था और इसे किसे सप्लाई करने वाला था। इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

वहीं हनुमानगढ़ जंक्शन थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत एक युवक को 7.50 ग्राम अवैध हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई जिले में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध युवक को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 7.50 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ।

गिरफ्तार युवक की पहचान सहनवाज उर्फ नवाजा (35) निवासी चक 2 आरडब्लूडी नवां, हनुमानगढ़ जंक्शन के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में एसआई गुरुदेव सिंह, कॉन्स्टेबल शंकरलाल, सर्वजीत और चेतनराम सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। इस अभियान में मुखबिर तंत्र और खुफिया सूचना का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। पुलिस अब आरोपी सहनवाज से गहन पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने यह चिट्टा कहां से प्राप्त किया था और इसे किन लोगों तक पहुंचाने की योजना थी। अधिकारियों ने बताया कि नशा तस्करों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बीकानेर में बारिश-ओलावृष्टि से खेतों में फसलें खराब हुई

कई गांवों में 90 फीसदी नुकसान, ईसबगोल, गेहूं, चना की फसल पानी में डूबी

बीकानेर, (निसं)। यहां बारिश और ओलावृष्टि से फसल खराब हो गई और कई गांवों में 90 फीसदी तक नुकसान हुआ, वहीं ईसबगोल, गेहूं और चना की फसल प्रभावित हुई और कांग्रेस ने गिरदावरी व मुआवजे की मांग उठाई। पिछले दिनों हुई बेमौसम बारिश के बाद जिलेभर के किसानों को भारी नुकसान हुआ है और प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की जा रही है।

बीकानेर जिले के आसपास के गांवों के साथ श्रीडूंगरगढ़, लूणकरनसर, पूगल, खाजूवाला और नोखा के गांवों में बारिश और ओलावृष्टि से खड़ी फसल को नुकसान हुआ है।

पूगल क्षेत्र में ईसबगोल की खड़ी फसल पूरी तरह खराब हो गई। वहीं अन्य गांवों में गेहूं और चना की फसल को भी नुकसान पहुंचा है। जिन किसानों ने फसल काटकर खेत में छोड़ रखी थी, उन्हें भी भारी नुकसान उठाना पड़ा। एक रात की तेज बारिश ने कई महीनों की मेहनत पर असर डाल दिया। देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने जिलेभर में गिरदावरी कराने की मांग की है। उनका कहना है कि हजारों किसानों की फसल खराब हुई है, ऐसे में तुरंत सर्वे होना चाहिए।

सियाग ने कहा कि जिन किसानों ने फसल बीमा कराया है, उन्हें पूरा मुआवजा मिलना चाहिए। बीमा प्रक्रिया को सरल बनाया जाए ताकि किसानों को जल्दी राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने मुआवजे की प्रक्रिया शुरू नहीं की तो आंदोलन किया जाएगा।

राज्य के मॉडल स्कूलों में कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं व सुविधाओं की दरकार

विडंबना है कि इन स्कूलों में केवल विज्ञान संकाय (मेडिकल/नॉन-मेडिकल) ही उपलब्ध है

- स्कूलों में कला एवं वाणिज्य संकाय नहीं होने से 10वीं कक्षा के बाद इन संकायों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है
- 'राज्य सरकार को विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मॉडल स्कूलों में कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं में कला एवं वाणिज्य संकाय भी शुरू करना चाहिए'

श्रीगंगानगर, (निसं)। राज्य के मॉडल कहे जाने वाले सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षा का ढांचा लड़खड़ाता नजर आ रहा है। राज्य में संचालित 134 स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूलों में 10वीं कक्षा के बाद विद्यार्थियों को अपना भविष्य दांव पर लगाना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इन स्कूलों में केवल विज्ञान संकाय (मेडिकल/नॉन-मेडिकल) ही उपलब्ध है, जिस कारण कला और वाणिज्य विषय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को मजबूरन स्कूल छोड़ना पड़ रहा है। कुछ स्कूलों में सिर्फ इकोनॉमिक्स की पढ़ाई होती है। इन स्कूलों में कला एवं वाणिज्य संकाय नहीं होने से 10वीं कक्षा के बाद इन संकायों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार श्रीगंगानगर में 2 सहित प्रदेश में 134 स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल संचालित हो रहे हैं। नाम भले ही मॉडल स्कूल का हो, लेकिन कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं व सुविधाओं की दरकार बनी हुई है। ऐसे में हर साल करीब 40 प्रतिशत विद्यार्थी दसवीं के बाद मॉडल स्कूलों को छोड़ रहे हैं। हैरानी की बात है कि इस ओर किसी का ध्यान तक नहीं जा रहा है। दसवीं बोर्ड कक्षा उत्तीर्ण के बाद विद्यार्थियों को सामान्यतया कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय में से अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने का अवसर मिलता है, लेकिन इन मॉडल स्कूलों में फिलहाल केवल विज्ञान संकाय ही संचालित है। ऐसे में कला या वाणिज्य विषय से पढ़ाई करना चाहने वाले विद्यालयों में प्रवेश लेना पड़ता है।

राजस्थान में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल योजना की शुरुआत मुख्य रूप से वर्ष 2014-15 में की गई थी, जिसके तहत शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों में 134 विद्यालय स्थापित किए गए। ये विद्यालय अंग्रेजी माध्यम के हैं और केंद्रीय विद्यालयों की तर्ज पर चलते हैं, जिनमें 6 से 12 तक की शिक्षा दी जाती है। सत्र 2024-25 से इन स्कूलों में प्राइमरी स्तर (कक्षा 1-5) की पढ़ाई भी शुरू की गई है। जिले में अनूपगढ़ एवं सूरतगढ़ ब्लॉक में मॉडल स्कूल संचालित हैं।

अरविंद्र सिंह, सीडीईओ, शिक्षा विभाग, श्रीगंगानगर ने बताया कि ये मॉडल स्कूल सीबीएसई बोर्ड की तर्ज पर चलते हैं। इसकी मॉनिटरिंग भी की जाती है। इन स्कूलों के लिए बजट सीधा राज्य सरकार से सीधे तौर पर आता है। हमारे सामने कभी भी इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों ने संकायों की कमी को लेकर शिकायत तक नहीं की। इन स्कूलों के नजदीक ही आरबीएसई के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित हो रहे हैं।

मोहर सिंह सलावद, प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ रेसटा, राजस्थान का कहना है कि वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर विद्यार्थी अब भी कला संकाय को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन मॉडल स्कूलों में कला संकाय नहीं होने से विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा के बाद या तो मजबूरी में विज्ञान विषय चुनना पड़ रहा है या फिर उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ता है। राज्य सरकार को विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मॉडल स्कूलों में कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं में कला एवं वाणिज्य संकाय भी शुरू करना चाहिए।

बीडीएस छात्रा ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन सागर में कूद कर बीडीएस की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को गोवर्धन सागर तालाब पानी में मिली अज्ञात युवती की देवली टोक निवासी मनोहरलाल ने अपनी पुत्री रिया थारवान (20) पुत्री मनोहरलाल के रूप में शिनाख्त की। इस पर एएसआई श्रवण कुमार ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि रिया निजी कॉलेज से बीडीएस द्वितीय वर्ष में पढाई कर रही थी एवं शुक्रवार सवेरे देवली टोंक से ट्रेन में बैठ कर उदयपुर के लिए रवाना हुई थी। सायं उसके पानी में डूबने की सूचना मिली। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

विद्युत करंट से युवक की मौत

छबड़ा, (निसं)। बावड़ीखेड़ा गांव में कृषि कार्य के दौरान करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार बावड़ीखेड़ा निवासी नरेंद्र शनिवार को कृषि कार्य करते समय करंट की चपेट में आ गया। परिजन उसे तत्काल छबड़ा चिकित्सालय ले गए, जहां जांच उपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोटपूतली में ऊंटों की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त वाहन व 27 ऊंट-ऊंटनी बरामद किये

कोटपूतली, (निसं)। जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश व जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशन में एएसपी नाजिम अली खान व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के सुपरविजन में सरूण्ड थानाधिकारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अवैध गतिविधियां पर अंकुश लगाने हेतु मुखबीर से मिली एक ट्रक में ऊंटों की तस्करी की सूचना पर नाकाबंदी की।

इस दौरान एक ट्रक तेज गति से नारेहड़ा से कोटपूतली की तरफ आता हुआ दिखाई दिया, जिसको रूकवाया गया तो ट्रक में बैठे दो जने भागने की कोशिश करने लगे, जिस पर दोनों को पकड़ा गया। ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें 27 ऊंट-ऊंटनी बांध रखे थे। जिस पर चालक सीट पर बैठे व्यक्ति का नाम पूछा तो उसने अपना नाम तालीम (23) पुत्र निजर व दूसरे ने अपना नाम कामील (27) पुत्र कल्लू होना बताया। दोनों को बिना लाईसेंस व अनुज्ञा पत्र के अवैध ऊंटों की तस्करी करने पर गिरफ्तार किया गया। वहीं अवैध तस्करी में प्रयुक्त वाहन को जब्त किया गया।

मांशी बांध में युवक का शव तैरता मिला

टोंक, (निसं)। निवाई सदर थाना क्षेत्र के जोधपुरिया गांव स्थित मांशी बांध में शनिवार को एक युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह जब भगवान देवनारायण मंदिर के पीछे स्थित घाट पर स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं की नजर जैसे ही पानी में तैर रहे शव पर पड़ी, मौके पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां एकत्रित हो गए। बाद में सूचना पर मौके पर पंहुची निवाई सदर थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला तथा शव को एंबुलेंस से निवाई उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस जांच के दौरान मृतक की पहचान केशव गुर्जर उर्फ भौंणा पुत्र समय सिंह, निवासी मांचड़ी पुलिस थाना नादौती जिला करौली के रूप में हुई है।

भूमि संपदा के अध्ययन पर आधारित "कोटा लैंड बैंक" पुस्तक का विमोचन

- कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के अंतर्गत उपलब्ध भूमि संपदा के व्यापक अध्ययन पर आधारित है पुस्तक

कोटा, (निसं)। कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के अंतर्गत उपलब्ध भूमि संपदा के व्यापक अध्ययन पर आधारित पुस्तक कोटा लैंड बैंक विश्लेषण और अवसर का विमोचन राजस्थान रेडक्रॉस सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष, कोटा नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष तथा माहेश्वरी समाज कोटा के अध्यक्ष राजेश बिरला द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के देवेन्द्र सिंह चौहान, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला कोटा महामंत्री रमेशचंद्र गोयल, राजीव गांधी नगर ऑक्सीजोन विकास समिति के अध्यक्ष प्रतीक गोयल, महासचिव हिम्मत सिंह 'बालूपा', सह कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, युवा उद्यमी अनुपम गुप्ता, उद्यमी विशाल वर्मा, राधेश्याम मित्तल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस पुस्तक का लेखन एवं संपादन केडीए के राजस्व सलाहकार परमानन्द गोयल द्वारा किया गया है। यह उनकी आठवीं पुस्तक है। इससे पूर्व वे संसद विजिट-यादें, पांच साल बेमिसाल, कोटा टूरिज्म-विजिट कोटा यादगार कोटा, विचारों की उड़ान तथा हाड़ौती गौरव सम्मान 2026 जैसी पुस्तकों का लेखन एवं संपादन कर चुके हैं। पुस्तक में केडीए के अंतर्गत उपलब्ध रिक्त भूखण्डों एवं भूमि संपदा का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। इसमें न केवल भूखण्डों का विवरण दिया गया है, बल्कि उनके सर्वोत्तम उपयोग, आवंटन, पुनः आवंटन तथा नीलामी से संबंधित व्यावहारिक सुझाव भी शामिल किए गए हैं। साथ ही, आमजन को जागरूक करने हेतु केस स्टडी एवं दृष्टांत भी दिए गए हैं। पुस्तक में भूमि उपयोग से जुड़े नवाचारों और संभावनाओं को रेखांकित किया गया है। इसके अतिरिक्त, जन सामान्य के लिए उपयोगी एफएक्यू (फ्रीक्वेंटली एस्केड क्वेशंस-अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न) भी शामिल किए गए हैं, जिससे भूखण्ड क्रय, आवंटन या पुनर्विक्रय से संबंधित निर्णय लेने में सहायता मिल सके।

लेखक परमानन्द गोयल के अनुसार, पुस्तक में लगभग आठ हजार से अधिक भूखण्डों से संबंधित सूचनाओं का संकलन किया गया है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2900 करोड़ रुपये आंकी गई है। उन्होंने बताया कि यदि इन भूखण्डों का सुनियोजित उपयोग, विक्रय एवं नीलामी की प्रक्रिया अपनाई जाए, तो आगामी तीन वर्षों में लगभग 1000 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जा सकता है, जिससे जन आकांक्षाओं की पूर्ति संभव होगी।

मण्डावा में गणगौर की शाही सवारी लवाजमे के साथ निकाली

गणगौर की शाही सवारी का पहली बार लाइव प्रसारण हुआ

मंडावा के गढ़ परिसर में गणगौर स्नेह मिलन समारोह में शिर्वाजुन सिंह, अनिरुद्ध सिंह व अंगद देव सिंह आदि सहित कई लोगों ने परंपराओं के तहत शाही सवारी में भाग लिया।

- सजी-धजी पालकियों और पारंपरिक लवाजमे ने बढ़ाया आकर्षण

झुंझुनूं/मण्डावा, (निसं)। राजस्थान की समृद्ध लोक परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक गणगौर महोत्सव इस वर्ष शेखावाटी की पर्यटन नगरी मण्डावा में अभूतपूर्व भव्यता और नवीन प्रयोगों के साथ मनाया गया। ऐतिहासिक हवेलियों और रंग-बिरंगी गलियों से सजे इस कस्बे में इस बार का आयोजन न केवल परंपराओं का निर्वहन था, बल्कि आधुनिक तकनीक के साथ उसका अनूठा समागम भी देखने को मिला। राज परिवार, मण्डावा के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। पहली बार गणगौर की शाही सवारी का लाइव प्रसारण किया गया, जिससे विदेशों में बसे भारतीय और राजस्थानी समुदाय भी इस भव्य आयोजन से जुड़ सके। राजस्थान फाउंडेशन एवं पर्यटन विभाग के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर हुए इस प्रसारण ने मण्डावा की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर पहुंचाया।

पूरे शहर में उत्सव का माहौल देखते ही बनता था। लोक वाद्य यंत्रों की गूंज, पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकार और श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ ने वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। इस वर्ष शोभायात्रा को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए पारंपरिक लवाजमे के साथ-साथ सजी-धजी पालकियों का नया समावेश किया गया, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। गणगौर महोत्सव केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि राजस्थान की लोक संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का सशक्त माध्यम है। यह पर्व विशेष रूप से महिलाओं की श्रद्धा, सौभाग्य और भगवान शिव-पार्वती के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर नवविवाहिताओं ने परंपरा अनुसार मिट्टी से निर्मित गणगौर और ईसर की प्रतिमाओं को गढ़ के समीप स्थित कुएं में विसर्जित कर सुख-समृद्धि की कामना की और मेले का आनंद लिया। इस बार का आयोजन मण्डावा को एक बार फिर सांस्कृतिक पर्यटन के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करता नजर आया, जहां परंपरा और आधुनिकता का संगम नई पहचान गढ़ रहा है। मंडावा के गढ़ परिसर में शनिवार को गणगौर स्नेह मिलन समारोह में राज परिवार के शिर्वाजुन सिंह, अनिरुद्ध सिंह व अंगद देव सिंह ने परंपराओं के तहत शाही सवारी में भाग लिया। जिला कलेक्टर अरुण गर्ग ने लोगों को पर्व की बधाइयां दी। भाजपा नेता इंजी.प्यारेलाल ढूकिया, संजय चोबदार, राज कुमार सैनी, मनोज भादूपोता, पूर्व प्रधान गिरधारीलाल, पूर्व सरपंच गिरवर सिंह चूडी, महिपाल तौलियासर, शिवचरण गाड़ोदिया, पूर्व नपा अध्यक्ष राधेश्याम सैनी, महेंद्र चंदवा, वाहिदपुरा सरपंच एसपी दूलड़, गिरवर सिंह, महिपाल सिंह तोलियासर, चंद्रपाल सिंह पाटोदा, राजेश बबाल, गोविंद जोशी, दिनेश धाभाई, राज कुमार सैनी, असगर रंगरेज, इब्राहिम रंगरेज, पार्षद मनोज भादुपोता, रवि चंदेलिया, जमील रंगरेज, संजय घुघवाल सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।

किसान ने फांसी लगाई

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में किसान ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र रामा गांव निवासी वरदीचंद पुत्र टीला डांगी ने शुक्रवार सांय अपने मकान में फांसी लगा ली। इसको देख परिजन उसे फंदे से निचे उतार कर चिकित्सालय ले गए। जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

गणगौर का पर्व उत्साह से मनाया

छबड़ा, (निसं)। गणगौर पर्व यहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही महिलाओं और युवतियों में इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

पर्व के अवसर पर महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक परिधान धारण कर माता गौरी और भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने परिवार की सुख-समृद्धि, अखंड सौभाग्य और खुशहाली की कामना की। कई स्थानों पर महिलाओं ने समूह में पारंपरिक लोकगीत गाए और गणगौर माता की आराधना की। हाथों में कलश और सिर पर गणगौर की प्रतिमाएं सजाए गीत गाती हुई महिलाएं शोभायात्रा के रूप में निकली। ग्रामीण क्षेत्रों में भी गणगौर पर्व की विशेष रौनक देखने को मिली। युवतियों ने 16 दिनों तक व्रत रखकर माता गौरी की पूजा की। पर्व के अंतिम दिन उन्होंने विधि-विधान से पूजा संपन्न की। इस अवसर पर कई स्थानों पर सामूहिक पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

छबड़ा के खेल मैदान में 38 लाख की लागत से लगेंगे 65 विद्युत खम्बे

- शहरवासियों को रात्रि के समय में वॉक की सुविधा मिल सकेगी

छबड़ा, (निसं)। यहां का खेल मैदान अब कुछ ही दिनों में रोशनी से सरोबार हो उठेगा। जिससे शाम को वीरान दिखने वाले मैदान पर खेल प्रतिभाओं की चहल-कदमी बढ़नी शुरू हो जाएगी। अब खिलाड़ी रात्रि में भी अभ्यास कर सकेंगे। यहां नगर पालिका द्वारा लगभग 38 लाख रुपए की लागत से 65 विद्युत खंबे लगाए जा रहे है। इससे खेल प्रेमियों में हर्ष व्याप्त है। खेल प्रेमियों ने विधायक प्रतापसिंह सिंघवी का आभार व्यक्त किया। ईओ सन्दीप गहलोत के अनुसार मैदान में सुविधाओं के अभाव के कारण स्थानीय खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। लेकिन यहां विधायक सिंघवी के अथक प्रयासों के खेल प्रेमियों व कस्बेवासियों को सुविधायुक्त खेल मैदान मिल सकेगा। यहां खेल प्रेमियों के भावनाओ के अनुसार सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सुविधाओं की कमी के कारण खिलाड़ियों के सामने अभ्यास की समस्या थी, जो अब दूर हो सकेगी। वहीं खेल मैदान के विकास से बेहतर अभ्यास स्थल मिलेगा। इसी क्रम में यहां नगर पालिका द्वारा 38 लाख रुपए की लागत से 65 विद्युत खंबे लगवाए जा रहे हैं। जिससे खेल मैदान रात्रि के समय में भी जगमग रहेगा और शहरवासियों को रात्रि के समय में वॉक की सुविधा मिल सकेगी।

मृतक की पत्नी को क्लेम मिला

श्रीगंगानगर, (निसं)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एसएसबी रोड स्थित शाखा ने एक बार फिर बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। बैंक की ओर से संचालित दुर्घटना बीमा (पीएआई) योजना के अंतर्गत, एक दिवंगत ग्राहक के परिवार को 20 लाख की बीमा राशि का चेक सौंपकर आर्थिक संबल प्रदान किया गया।

शाखा प्रबंधक अनिकेत मिड्ढा ने बताया कि बैंक के ग्राहक अशोक कुमार ने इस योजना के तहत मात्र 1000 के प्रीमियम पर अपना बीमा करवाया था। दुर्भाग्यवश, एक सड़क दुर्घटना में उनका निधन हो गया। बीमा शर्तों के अनुसार, बैंक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दावे की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान मृतक की नॉमिनी और उनकी पत्नी शोभा देवी को बीस लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया।